# Girls' High School & College , Prayagraj

## Worksheet No. – 02

## Session – 2020-2021

## Class – 7th A,B,C,D,E,F

## Subject – Hindi Literature

***निर्देश –*** **अभिभावकों से निवेदन है कि दी गई पंक्तियों को ध्यान पूर्वक पढ़कर कठिन शब्दों को समझने और पूछे गये प्रश्नों का उत्तर लिखने में छात्राओं की सहायता करें|**

## पाठ – सत्कर्तव्य

निम्नलिखित पंक्तियों में कवि 'श्री राम नरेश त्रिपाठी' ने कहा है कि जब तुच्छ से तुच्छ पदार्थ भी निष्क्रिय नहीं हैं तो फिर मनुष्य अपने कर्म से विमुख क्यों है ? कवि इसी सत्य के प्रकाश में कहते हैं कि मनुष्य को भी अपना सत्कर्तव्य पहचानकर उसी के अनुरूप आचरण करना चाहिए|

***6). बुरा न मानो , एक बार सोचो तुम अपने मन में |***

***क्या कर्तव्य समाप्त कर लिया तुमने निज जीवन में ?***

**अर्थ** – इन पंक्तियों में कवि कहते हैं कि हे मानव तुम मेरी कही गयी बात को बुरा न मानकर बल्कि विचार करो कि क्या तुम्हारे जीवन का भी कोई उद्देश्य है?

***7). केवल अपने लिए सोचते मौज भरे गाते हो |***

***पीते , खाते , सोते , जागते , हँसते , सुख पाते हो ||***

**अर्थ** - इन पंक्तियों में कवि कहते हैं कि हे मनुष्य तुम केवल अपने सुख साधन के बारे में सोचते हो और खाने , पीने , सोने , जागने को ही सुख समझते हो और अपने स्वार्थ में लिप्त होकर सुखी होते हो|

***8). जग से दूर स्वार्थ – साधन ही सतत तुम्हारा यश है |***

***सोचो तुम्हीं , कौन अग – जग में तुम-सा स्वार्थ विवश है ?***

**अर्थ** – कवि कहते है कि हे मनुष्य तुम तनिक विचार करो कि तुम सा स्वार्थी इस संसार में कौन है ? जहाँ प्रकृति में सभी प्राणी परोपकार में लगे हुए हैं |

***9). पैदा कर जिस देशजाति ने तुमको पाला – पोसा |***

***किये हुए है वह निज – हित का तुमसे बड़ा भरोसा ||***

**अर्थ** – इन पंक्तियों में कवि कहते हैं कि जिस देश और जाति में तुमने जन्म लिया और जिसने तुम्हारा भरण-पोषण किया | उसे तुम पर पूर्ण विश्वास है कि तुम उसका हित व कल्याण अवश्य करोगे |

***10). उससे होना उऋण प्रथम है सत्कर्तव्य तुम्हारा |***

***फिर दे सकते हो वसुधा को शेष स्वजीवन सारा ||***

**अर्थ** – इन पंक्तियों में कवि मनुष्य के जीवन का उद्देश्य बताते हुए कहते हैं कि जिस देश मे तुमने जन्म लिया, जीवन प्राप्त किया । उस देश के ऋण से मुक्त होना ही प्रत्येक मानव का प्रथम सत्कर्तव्य है तत्पश्चात् अपना शेष जीवन परोपकार व कर्तव्य पालन कर इस धरती को समर्पित करें ।

**शब्दार्थ –**

1. **निज** – अपना
2. **सतत्** – लगातार

3. **अग** – सम्पूर्ण
4. **जग** – संसार
5. **उऋण** – ऋण से मुक्त
6. **स्वजीवन** – अपना जीवन

**प्रश्न – 1- मनुष्य केवल अपने लिए क्या – क्या करता है ?**

**प्रश्न – 2- कवि मनुष्य से किस विषय में सोचने के लिए कह रहा है ?**

**प्रश्न – 3- यह कविता मनुष्य को कैसा जीवन जीने के लिए प्रेरित करती है ?**

**प्रश्न – 4- निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाइए —**

**क ). मनुष्य लगातार किसमें यश ढूंढ़ रहा है ?**

1). उत्तम भोजन में 2). परोपकार में

3). स्वार्थ – सिद्धि में 4). उच्च पद में

**ख ). हमारा पहला कर्तव्य किसके ऋण से मुक्त होना चाहता है ?**

1). देश जाति के 2). महाजन के

3). सरकार के 4). माता पिता के

**प्रश्न – 5- निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिये -**

- सचर
- निश्चित
- यश
- लघु
- निष्क्रिय

# E N D